जयपुर-देवी नगर(राज.)। महाशिवरात्रि के अवसर पर विधानसभा सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. राखी बहन।

हाथरस-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के तपस्या धाम सेवाकेंद्र में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में नव निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, बीजेपी जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी, प्रमुख समाजसेवी डॉ. विकास शर्मा, जनपद प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सीता दीदी, समाजसेवी अंकित गौड़, रामेश्वर दयाल त्यागी, प्रिंसिपल राम अग्रवाल, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. भावना बहन, एडवोकेट अतुल आंधीवाल, ब्र.कु. सीमा बहन सहित अन्य गणमान्य लोग व बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे। इस अवसर पर झाँकी युक्त शिव संदेश शांति यात्रा का भी आयोजन हुआ।

मथुरा-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा महाशिवरात्रि एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज के रिफाइनरी नगर, लक्ष्मीनगर, अकबरपुर और बलदेव सेवाकेंद्रों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान जिला पंचायत राज्य अधिकारी किरण चौधरी, एस.पी. क्राइम अविनीश मिश्रा, सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा, महिला थाना प्रभारी अलका ठाकुर, वृंदा क्लब के पदाधिकारी, पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, डॉ. चारू जैन, डॉ. दीपा गर्ग, मीरा ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य, मथुरा रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सा और शिक्षा विभाग के पदाधिकारी आदि गणमान्य लोग, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. कृष्णा बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित सुदूर ग्रामीण अंचलों से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जयपुर-इन्दिरा गांधी नगर से.6(राज.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कैलाश वर्मा,विधायक,बगरू विधानसभा क्षेत्र, डॉ. अन्जू मीणा,डायरेक्टर,एसएमएसआई,एकेडमी एवं वुमेन बॉडी बिल्डिंग,एथलिट्स, रोहन यादव,स्टेशन अधीक्षक,खातीपुरा रेलवे स्टेशन, छोटूराम मीणा,पार्षद,वार्ड 121, राजयोगिनी ब्र.कु. स्नेहा दीदी,सेवाकेंद्र संचालिका सोडाला, राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी,जयपुर सबज़ोन इंचार्ज ब्रह्माकुमारीज़ एवं जोनल कोऑर्डिनेटर प्रशासन प्रभाग जयपुर सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी अतिथियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

जयपुर-सोडाला(राज.)। महाशिवरात्रि पर द्वादश ज्योतिर्लिंगम झाँकी के उद्घाटन पश्चात्, ईश्वरीय स्मृति में पवन शर्मा,पार्षद वार्ड नं.50, लक्ष्मण सिंह,जयपुर मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष, ब्र.कु. स्नेहा दीदी व ब्र.कु. राखी बहन।

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

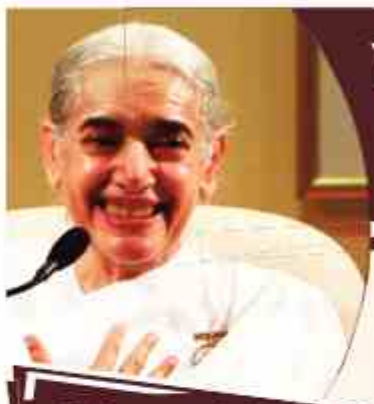

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज

संगमयुग बहुत मीठा लगता है ना, लेकिन इतना मीठा भी न लगे कि जो हम कहें कि बस संगमयुग ही चलता रहे। परंतु संगमयुग में अपना तीव्र पुरुषार्थ ऐसा चले जो जल्दी-जल्दी घर का दरवाजा भी खुल जाये और साथ-साथ स्वर्ग के भी गेट खुल जायें। क्यों? क्योंकि जब संसार की हालत देखते हैं तो देखते हैं कि मनुष्य आत्माओं को बहुत भिन्न-भिन्न प्रकार का दुःख लगा हुआ है। उसका वर्णन मैं अभी नहीं करने जाऊंगी। क्योंकि वो सब बातें तो आप सब जानते ही हैं। परंतु ये तो जरूर कहेंगे कि जो बाबा ने कहा, क्या आपको भक्तों का आवाज़ सुनाई नहीं देता, भक्त भगवान को ढूंढ रहे हैं। परंतु साथ-साथ अनेक आत्मायें भी बहुत दुःखी होकर सोच रहे हैं कि दुःख का दरवाजा कब बंद होगा! तो बाबा के बच्चों की खुद की तो है पुरुषार्थ की बातें कि हम आगे कैसे बढ़ें। परंतु साथ-साथ ये भी संकल्प है कि ऐसे सेवा हो जो बाबा की प्रत्यक्षता हो जाये। बाबा को पहचानेंगे तो अपना जन्म सिद्ध अधिकार प्राप्त कर सकेंगे।

हम ये नहीं चाहते हैं कि पब्लिसिटी सिर्फ हो या एडवरटाइज़मेंट सिर्फ हो। हम ये चाहते हैं कि बाबा को हर आत्मा पहचाने क्योंकि आधा कल्प से हम सब बिछड़ गये थे। सतयुग-त्रेता में तो भगवान का जो वर्सा मिला उसी मौज में रहे। परंतु आधा कल्प तो पूरी तरह से खोज चलती रही। तो सब आत्माओं को भी बाबा की पहचान हो। और जो वो चाहते हैं शांति चाहते हैं तो शांति प्राप्त हो, सुख चाहते हैं तो सुख की भी प्राप्ति हो सके। तो किस तरह से हमारा पुरुषार्थ हो। जो दोनों द्वार खुल जायें मुक्ति और जीवनमुक्ति के।

चाबी है बेहद की वैराग्य वृत्ति और फिर प्रश्न आता कि बेहद की वैराग्य वृत्ति बनाने के लिए हमें क्या पुरुषार्थ करना होगा। तो आजकल जब मैं अव्यक्त मुरलियां देखती हूँ, पढ़ती हूँ तो बिल्कुल ऐसे लगता है बाबा कोई भी बात में हमें मेहनत का पुरुषार्थ नहीं दे रहे हैं। बाबा कहते कि मेहनत की बदली में मोहब्बत हो। मेहनत की बदली में मौज हो। अतीन्द्रिय सुख का मौज हो। परमआनंद का अनुभव हो। तो हाँ वैराग्य वृत्ति भी हो। साथ-साथ हमें दो बातों की याद रहती तो फिर वो हमारा पुरुषार्थ मीठा भी होता और सहज भी होता। मीठा पुरुषार्थ जो होता वो हम उसे स्थायी रूप से कर सकते। यदि पुरुषार्थ बहुत कठिन होता तो थोड़े समय के लिए तो हठयोग करके उसको चला सकते। परंतु अपना हठयोग का मार्ग नहीं है, राजयोग का मार्ग है। तो उसमें हम बहुत हठ करके भी पुरुषार्थ करते हैं तो वो भी बाबा नहीं चाहते। हाँ, दृढ़ संकल्प हो और उस दृढ़ता से हम आगे बढ़ें। परंतु मीठा पुरुषार्थ हो, सहज पुरुषार्थ हो क्योंकि उसको हम अंत तक कायम रख सकेंगे।

अपना हठयोग का मार्ग नहीं है, राजयोग का मार्ग है। तो उसमें हम बहुत हठ करके भी पुरुषार्थ करते हैं तो वो भी बाबा नहीं चाहते। हाँ, दृढ़ संकल्प हो और उस दृढ़ता से हम आगे बढ़ें। परंतु मीठा पुरुषार्थ हो, सहज पुरुषार्थ हो क्योंकि उसको हम अंत तक कायम रख सकेंगे।

जैसे बाबा ने साकार मुरलियों में कहा ना कि श्मशानी वैराग्य। जब श्मशान में जाते हैं तो उस समय वैराग आता है कि हाँ ये संसार में तो कुछ नहीं है। सम्बन्ध ही मीठे छूट जाते हैं। परंतु शहर में वापस लौटते हैं तो बाबा ने ये कहानी सुना दी कि फिर तो मन यहाँ-वहाँ भागता रहता है कि ये भी खाऊं, वो भी करूं, ये भी करूं। परंतु सच्चा वैराग्य एक तो हमें बाबा के द्वारा सर्व प्रकार की प्राप्ति हो। यदि आत्मा में कोई भी मिसिंग फीलिंग है, कोई भी बात में सोचते हैं कि अभी तक हमें ये नहीं मिला है, ये हमें चाहिए। तो जहाँ चाहिए का संकल्प आता वहाँ वैराग्य वृत्ति नहीं। जब चाहिए का संकल्प समाप्त हो जाता क्यों? क्योंकि बाबा ने हमें क्या नहीं दिया है, ये आप सोच लो। कुछ रहा हुआ है जो बाबा ने न दिया हो? कोई भी ऐसी बात नहीं रही है। तो जब ये संकल्प होता कि बाबा ने हमें सबकुछ दे दिया। ये न सिर्फ संकल्प की बात है बल्कि अनुभव की बात है। हमने जब अनुभव किया जो हम संकल्प रखते हैं बाबा न सिर्फ हमें देता परंतु बाबा दस गुणा ज़्यादा उसे हमें दे देता।

बाबा के बच्चे बनने के बाद बाबा ने हमें इतना दिया है कि स्वप्न में भी नहीं था। जो बातें फिलॉस्फर नहीं जानते सृष्टि के आदि, मध्य, अंत की कहानी को, जो बातें भक्त नहीं जानते, एक-एक देवी-देवता की जीवन कहानी को, ऑक्यूपेशन को, जो साधु लोग बहुत कठिन तपस्या करने के बाद परमात्मा को नहीं जानते हमने सहज-सहज भगवान को जान लिया, स्वीकार कर लिया। परंतु सबसे बड़ी बात भगवान ने हमें भी अपने पास स्वीकार करके, अपना बना लिया। तो जबकि इतना सबकुछ मिला है चाहे ज्ञान कहो, चाहे प्यार कहो, लोग कहेंगे कि सागर की एक बूंद को हम प्यासी हैं। हम तो कहेंगे कि बाबा ने हमें भी मास्टर प्यार का सागर बना लिया, प्रेम स्वरूप बना दिया, ताकि अन्य आत्माओं को भी हम वो प्यार का अनुभव करा सकें। निःस्वार्थ प्यार जिसमें हमें उन्हों से कुछ नहीं चाहिए। परंतु हम प्यार के सागर की लहरें उन्हों तक पहुंचाते रहें।

चरखी दादरी-हरियाणा। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में केक काटते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता दीदी। साथ हैं विश्व हिंदू परिषद की जिला अध्यक्ष बीडीओ रोशनी शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश जी, समाजसेवी एवं आम आदमी पार्टी नेता रिम्पी फोगाट, सिक्योरिटी इंचार्ज एसपी ऑफिस राजेश कुमार तथा आरएसएस योजना प्रमुख हरियाणा डॉ. माही प्रताप।

लखनऊ-जानकीपुरम(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा महाशिवरात्रि मेले के तहत द्वादश ज्योतिर्लिंग अमरनाथ की गुफा और चैतन्य देवियों की झाँकी का आयोजन हुआ। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में अयोध्या आरटीओ से ऋतु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय की एक्स प्रोफेसर शशि शुक्ला, डॉ. अमिता पांडे प्रोफेसर किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज प्रोफेसर शशि शुक्ला सीएमएस की प्रिंसिपल ज्योति कश्यप, डॉ. अमिता पांडे प्रोफेसर मेडिकल कॉलेज अध्यक्ष इनरव्हील क्लब को शील्ड मोमेंटो और बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सुमन दीदी व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

मोतिहारी-बिहार। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती समारोह में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी एवं प्रसिद्ध संस्कृति कर्मी देव प्रिये मुखर्जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीणा बहन। साथ हैं ब्र.कु. विभा बहन व ब्र.कु. अशोक वर्मा।

सुन्दर नगर-हि.प्र.। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज के सत्संग गीता पाठशाला द्वारा भव्य द्वादश ज्योतिर्लिंग की भव्य झाँकी निकालकर जन-जन को ईश्वरीय संदेश दिया गया। इस मौके पर सुन्दर नगर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शिक्षा दीदी सहित बड़ी संख्या में अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

झुमरी तेलैया-कोडरमा(झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज के अड्डी बंग्ला रोड दुर्गा स्थान सेवाकेंद्र द्वारा विश्व महिला दिवस पर शांति शोभा यात्रा का आयोजन कर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन एवं अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा शहर में अनेकों महिलाओं को सशक्त बनने का संदेश दिया गया।